2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए : **3×12=36**

(i) आधुनिक समाज में कबीर काव्य की प्रासंगिकता।

(ii) कबीर की सौन्दर्य भावना ।

(iii) कबीर समन्वय वादी थे - तर्क सम्मत समीक्षा कीजिए ।

(iv) कबीर काव्य में रसानुभुति में वियोग श्रृंगार का विवेचन कीजिए ।

(v) कबीर की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए।

(vi) कबीर की प्रतीक योजना पर निबंध लिखिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **15×3=15**

(i) 'कबीर काव्य पर सूफी संतों का प्रभाव' — स्पष्ट कीजिए ।

(ii) 'कबीर एक क्रांतिकारी युग दृष्टा थे' — स्पष्ट कीजिए ।

(iii) कबीर के निर्गुण राम पर टिप्पणी कीजिए ।

(iv) क्या कबीर को कवि कहा जा सकता है ?

(v) कबीर काव्य में आडम्बरों के विरोध पर विचार कीजिए ।

Roll No. ..... **Exam Code : J-21**

Subject Code—53628

M. A. EXAMINATION

(Batch 2017-2019)

(Main & Re-appear)

(Fourth Semester)

HINDI (Elective Subject)

Hi-120

Padh. Kabir Das

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks :* 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **3×7=21**

(i) एक निरंजन अलह मेरा,
हिन्दू-तुरक दहूँ नहीं तेरा ।।
राखूँ ब्रत न मरहम जाना,
जिसकी सुमिरूं जों रहै निदांनां ।

पूजा करूँ न निमाज गुजारू,
एक निराकार हरिदै नमसकारूँ ।
नां हज जाउं, तीरथ पूजा,
एक पिछांणा तौ का दुजा ।
कहै कबीर भरम सब भागा,
एक निरंजन सूँ मन लागा ।।

(ii) भगति हीन उस जीवनां,
जन्म मरन बहु काल ।।
आश्रम अनेक करसि रे जियरा,
राम बिना कोई न करै प्रतिपाल ।।
त्राहि-त्राहि करि हरि पुकारा,
साधु संगति मिलि करहु विचारा ।
रे रे जीवन नहीं बिश्रांमां,
सब दुःख खंडन राम का नामा ।।

(iii) कम थिर वैसि बिछारिया, राम हिल्यौ लाई ।
झूठी अनभै बिस्तरी सब थोथी बाई ।।
कहै कबीर सकति कछु नाहीं, गुरु भया सहाई ।
आवँण जाँणी मिटि गई, मन मनहि समाई ।।

(iv) बहुत दिनन थे मैं प्रीतम पाये,
भाग बड़े धरि बैठे आये ।
मंगलचार माँहि मन राखौं,
राम रसाँइन रसना चाषौं ।
मंदिर माँहि भयो उजियारा,
ले सुतो अपना पीव पियारा ।।

मैं रनिरासि जे निधि पाई,
हमहिं कहाँ यह तुमहि बड़ाई ।
कहै कबीर मैं कछु न कीन्हा,
सखी सुहाग राम मोहि दीन्हा ।।

(v) लोका जानि न भूलौ भाई ।
खालिक खलक खलक मैं खालिक,
सब घट रह्यौ समाई ।
अला एकै नूर उपनाया, ताकी कैसी निंदा ।
ता नूर थै सब जग कोंया,
कौन भला कौन मंदा ।
कहै कबीर मैं पूरा पाया,
सब धटि साहिब दीठा ।।

(vi) हरि ठग जग कौ ठगौरी लाई,
हरि के वियोग कैसे जीऊ मेरी भाई ।
कौन पुरिष कौ काकी नारी,
अभि अंतरि तुम्ह लेहु बिचारी ।।
कौन पूत को काको बाप,
कौन भरैं कौन करें संताप ।
कहै कबीर ठग सौं मन माना,
गई ठगौरी ठग पहिचाना ।।

(vi) कबीर साहित्य पर हिन्दू धर्म का प्रभाव देखा जा सकता है - स्पष्ट कीजिए ।

(vii) कबीर की उलटबाँसी का तात्पर्य ।

(viii) कबीर साहित्य में गुरु का महत्त्व ।

(ix) निर्गुण काव्यधारा में कबीर का स्थान निर्धारित कीजिए ।

(x) 'उन्मनि' परिभाषिक शब्द को स्पष्ट कीजिए ।

4. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1×8=8**

(i) कबीर वाणी संग्रह का नाम क्या है ?

(ii) कबीर शब्द किस भाषा का है ?

(iii) पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य-पुस्तक के सम्पादक का नाम बताइए ।

(iv) कबीर वाणी का प्रथम लिपिकार कौन है ?

(v) 'रमैनी' और 'सबद' किस भाषा में हैं ?

(vi) कबीर की भाषा को पंचमेल खिचड़ी किसने कहा है ?

(vii) क्या कबीर के राम दशरथ पुत्र हैं ?

(viii) उलटबासियाँ लिखने की प्रेरणा कबीर को कहाँ से मिली थी ?